BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (PHILOSOPHY) (BDP)

Term-End Examination December, 2024

BPYE-001: PHILOSOPHY OF RELIGION

Time: 3 Hours Maximum Marks: 100

Note:(i) Answer all the five questions.

- (ii) All questions carry equal marks.
- (iii) Answer to Question Nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.
- 1. Write a detailed note on the socio-political perspective regarding the origin of religion. 20

Or

- Elaborate upon the univocal way of understanding religious language. 20
- What are the problems that we encounter in defining Religion? Elaborate the complexities which become evident from the definition of Religion.

[2]

What is religious fundamentalism? What are the problems that it leads to? How does interreligious dialogue help in solving the problems arising due to religious fundamentalism? 20

- 3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each:
 - (a) What do you understand by the assertion "God is simple"? Give arguments to prove that "God is simple." 10
 - (b) Write a note on the idea of "Experience of Holy" given by Rudolf Otto.
 - (c) Discuss the idea of God proposed by Immanuel Kant.
 - (d) What are the practical responses to religious pluralism? Explain briefly. 10
- 4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each:
 - (a) Write a note on the "Primitive religious consciousness." 5
 - (b) Write a note on the Kalam cosmological argument. 5
 - (c) What are the salient features of postmodern religion?

	(d)	Write a note on the relation between language and the idea of creation.	en 5
	(e)	What are the various implications spirituality?	of 5
	(f)	Do you agree with the assertion "Plurali is a way of peaceful life"?	ity 5
5.		ite short notes on any <i>five</i> of the following out 100 words each:	in
	(a)	God as an omnipotent being	4
	(b)	Religious language as a sacred-substance	4
	(c)	The "Wholly other"	4
	(d)	Pre-requisite of dialogue	4
	(e)	Totemism	4
	(f)	Theological Predicate	4
	(g)	Post-modernism	4
	(h)	Evidential argument against the existent of God	ce

BYPE-001

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शनशास्त्र)

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.पी.वाई.ई.-001 : धर्म-दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

- नोट : (i) सभी **पाँच** प्रश्नों को उत्तर दीजिए।
 - (ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
 - (iii) प्रश्न क्रमांक 1 एवं 2 के उत्तर लगभग 400-400 शब्दों में दीजिए।
- धर्म की उत्पत्ति के सम्बन्ध में सामाजिक-राजनैतिक दृष्टिकोण पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

अथवा

धार्मिक भाषा के बोध के एकार्थक तरीके का विवेचन कीजिए। 20 धर्म को परिभाषित करने में आने वाली समस्याएँ क्या हैं ? धर्म की परिभाषा से प्रकट जटिलताओं का विवेचन कीजिए।

अथवा

धार्मिक आधारवाद क्या है ? इससे किन समस्याओं का जन्म होता है ? धार्मिक आधारवाद से उत्पन्न समस्याओं के समाधान में अन्त:धार्मिक संवाद किस तरह सहायक है ?

- 3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए :
 - (अ)'ईश्वर सरल है' इस कथन से आप क्या समझते हैं ?'ईश्वर सरल है' को सिद्ध करने हेतु युक्तियाँ प्रस्तुत कीजिए।
 - (ब) रूडोल्फ ओटो द्वारा दिए गए 'धर्मात्मा का अनुभव' के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 10
 - (स) इमैनुएल काण्ट द्वारा प्रस्तावित ईश्वर के विचार की चर्चा कीजिए।
 - (द) धार्मिक बहुलतावाद के व्यावहारिक प्रतिउत्तर क्या हैं ? संक्षिप्त व्याख्या कीजिए। 10

4.	निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लग	मग
	150-150 शब्दों में दीजिए :	
	(अ)"आदिम धार्मिक चेतना" पर टिप्पणी लिखिए।	5
	(ब) कलाम ब्रह्माण्डीय युक्ति पर टिप्पणी लिखिए।	5
	(स) उत्तर-आधुनिक धर्म की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं	?
		5
	(द) भाषा एवं सृष्टि विषयक विचार के मध्य सम्ब	ન્ધ
	पर टिप्पणी लिखिए।	5
	(य) आध्यात्मिकता के विभिन्न निहितार्थ क्या हैं ?	5
	(र) आप सहमत हैं कि "बहुलतावाद शान्तिपूर्ण जीव	वन
	की एक पद्धति है"?	5
5.	निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पर लगभग 100-10	00
	शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ दीजिए :	
	(अ) ईश्वर सर्वशक्तिमान सत् है।	4
	(ब) पवित्र द्रव्य के रूप में धार्मिक भाषा	4
	(स) "सम्पूर्ण अन्य"	4
	(द) सम्वाद की पूर्व-शर्त	4
	(य) टोटमवाद	4
	(र) धर्मशास्त्रीय विधेय	4
	(ल) उत्तर-आधुनिकतावाद	4
	(व) ईश्वर के अस्तित्व के विरुद्ध साक्ष्यपरक युक्ति	4
